RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अगस्त
01
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

आरबीआई ने बैंकों और एनबीएफसी के लिए एआईएफ निवेश नियमों को कड़ा किया / RBI Tightens AIF Investment Rules for Banks and NBFCs

संदर्भ:

RBI ने बैंकों और NBFCs की AIF स्कीम में निवेश को व्यक्तिगत रूप से 10% और सामूहिक रूप से 20% तक सीमित किया; उधारकर्ता से जुड़ाव पर 5% से अधिक एक्सपोजर होने पर 100% प्रावधान अनिवार्य किया

व्यक्तिगत और सामूहिक निवेश सीमा (AIF में):

संशोधित नियामकीय दिशा-निर्देशों के अनुसार, वैकल्पिक निवेश कोष (Alternative Investment Fund - AIF) योजनाओं में निवेश की निम्नलिखित सीमाएं निर्धारित की गई हैं:

- **व्यक्तिगत निवेश सीमा:** कोई भी एकल विनियमित संस्था किसी AIF योजना के कुल कोष (corpus) में **10% से अधिक का निवेश नहीं कर सकती**।
- **सामूहिक निवेश सीमा:** किसी एक AIF योजना में सभी विनियमित संस्थाओं का संयुक्त निवेश **कुल कोष के 20% से अधिक नहीं हो सकता**।

उद्देश्य और प्रभाव:

इस बदलाव का उद्देश्य है:

- वित्तीय संस्थानों की **अत्यधिक निवेश प्रवृत्ति पर नियंत्रण** लगाना,
- निवेश में **विविधता (diversification)** को बढ़ावा देना और जोखिम को सीमित करना,
- **हितधारकों (stakeholders)** की प्रतिक्रिया को शामिल करना, और
- AIF निवेशों में **पारदर्शिता (transparency)** और **यथोचित जांच (due diligence)** को बढ़ावा देने हेतु SEBI के नियामकीय दृष्टिकोण के साथ **संगति स्थापित करना**।

वैकल्पिक निवेश कोष (Alternative Investment Fund - AIF):

परिभाषा:

AIF एक निजी रूप से संग्रहीत (privately pooled) निवेश कोष है, जो निवेशकों से धन एकत्र करता है और इसे पारंपरिक निवेश क्षेत्रों (जैसे शेयर या बॉन्ड) के बाहर के क्षेत्रों में लगाता है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- यह कोष विशेष रूप से **उच्च संपत्ति वाले व्यक्तियों (High Net-worth Individuals - HNIs)** के लिए उपयुक्त है क्योंकि इसमें न्यूनतम निवेश राशि अधिक होती है।
- भारत में AIF का **नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI)** द्वारा किया जाता है।

भारत में AIF के प्रकार:

1. **कैटेगरी-I: स्टार्टअप्स और सामाजिक उद्यमों में निवेश**
   - यह कोष उन क्षेत्रों में निवेश करता है जो **आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और सामाजिक प्रभाव** को बढ़ावा देते हैं।
   - सरकार इन्हें **प्रोत्साहन (incentives)** प्रदान कर बढ़ावा देती है।
2. **कैटेगरी-II: प्राइवेट इक्विटी और डेट निवेश**
   - ये कोष मुख्य रूप से **प्राइवेट इक्विटी, डेट सिक्योरिटीज और अन्य परिसंपत्तियों** में निवेश करते हैं।
   - इन्हें सीधे सरकारी प्रोत्साहन नहीं मिलते, फिर भी ये **कॉरपोरेट फाइनेंस** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
3. **कैटेगरी-III: उच्च जोखिम, उच्च प्रतिफल निवेश**
   - यह कोष **उन्नत ट्रेडिंग रणनीतियों** का उपयोग करता है ताकि अधिकतम लाभ अर्जित किया जा सके।
   - इनमें **जोखिम भी अधिक होता है**, लेकिन **लाभ की संभावना भी अधिक रहती है**।

AIFs में निवेश के लाभ:

1. **उच्च रिटर्न की संभावना:** पारंपरिक म्यूचुअल फंड की तुलना में **अधिक रिटर्न** की संभावना होती है, हालांकि जोखिम भी अधिक होता है।
2. **विविध पोर्टफोलियो (Diversified Portfolio):** निवेशक **प्राइवेट इक्विटी, इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट** जैसे विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करके अपने पोर्टफोलियो को विविध बना सकते हैं।
3. **कम बाज़ार अस्थिरता (Low Market Volatility):** AIF का शेयर बाजार की उतार-चढ़ाव से **कम सीधा संबंध होता है**, जिससे यह **अनिश्चित समय में अधिक स्थिरता** प्रदान करता है।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन / President's rule in Manipur

संदर्भ:

लोकसभा ने **मणिपुर में राष्ट्रपति शासन** की अवधि 13 अगस्त 2025 से आगे **छह महीने** के लिए बढ़ाने संबंधी वैधानिक संकल्प को अपनी मंज़ूरी दे दी है।

पृष्ठभूमि (Background):

- फरवरी 2025 में मणिपुर में **राष्ट्रपति शासन (President's Rule)** लागू कर दिया गया, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री **एन. बीरेन सिंह** ने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया।
- यह निर्णय राज्य में **दो वर्षों से चल रहे जातीय संघर्ष** के चलते लिया गया, जो **मैदानी क्षेत्र के मेइती (Meitei) समुदाय** और **पर्वतीय क्षेत्रों के अनुसूचित जनजातीय कुकी-जो (Kuki-Zo) समुदायों** के बीच चल रहा था।
- इस संघर्ष की जड़ें **मेइती समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति (ST) का दर्जा पाने की मांग** में थीं, जिसका **कुकी समुदाय ने विरोध** किया।
- कुकी समुदाय को आशंका थी कि यदि मेइती को ST का दर्जा मिल गया, तो इससे उन्हें **रोजगार और आरक्षण से जुड़ी सुविधाओं में नुकसान** हो सकता है।

राष्ट्रपति शासन क्या है? (What is President's Rule?):

- राष्ट्रपति शासन एक प्रकार की **राज्य आपातकाल स्थिति (State Emergency)** है, जिसे सामान्यत: राष्ट्रपति शासन कहा जाता है।
- ध्यान देने योग्य बात है कि संविधान में "President's Rule" शब्द का **सीधा उल्लेख नहीं है**।

प्रमुख संवैधानिक प्रावधान:

1. **अनुच्छेद 356:**
    - यह अनुच्छेद राष्ट्रपति को यह अधिकार देता है कि यदि किसी राज्य की **संवैधानिक व्यवस्था विफल** हो जाए – चाहे **राज्यपाल की रिपोर्ट** के आधार पर या अन्य किसी माध्यम से – तो वह **राष्ट्रपति शासन लागू कर सकते हैं**।
    - इसमें राज्य की **कार्यकारी शक्तियाँ केंद्र सरकार** को और **विधान शक्ति संसद** को स्थानांतरित हो जाती है।
    - हालांकि, राज्य का **उच्च न्यायालय (High Court)** यथावत कार्य करता रहता है।
2. **अनुच्छेद 355:** यह केंद्र सरकार पर यह **कर्तव्य निर्धारित करता है** कि वह राज्यों को **बाहरी आक्रमण या आंतरिक गड़बड़ी** से बचाए और राज्य में शासन संविधान के अनुसार संचालित हो, यह सुनिश्चित करे।
3. **अनुच्छेद 365:** यदि कोई राज्य केंद्र सरकार के निर्देशों का **पालन नहीं करता**, तो राष्ट्रपति वहां **संवैधानिक आपातकाल (Constitutional Emergency)** घोषित कर सकते हैं।

प्रभाव (Impacts of President's Rule):

1. **मौलिक अधिकारों का निलंबन नहीं:**
    - राष्ट्रपति शासन के दौरान **नागरिकों के मौलिक अधिकार (Fundamental Rights)** निलंबित नहीं किए जाते।
    - जबकि **राष्ट्रीय आपातकाल (National Emergency)** के समय, **अनुच्छेद 19** के अधिकारों को **अनुच्छेद 358** के तहत निलंबित किया जा सकता है और अन्य अधिकारों (सिवाय **अनुच्छेद 20 और 21** के) को भी प्रतिबंधित किया जा सकता है।
2. **विशेष शक्तियाँ:**
    - राष्ट्रपति शासन में **राष्ट्रपति विशेष शक्तियाँ** ग्रहण करते हैं।
    - राज्य का शासन **राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति की ओर से** चलाया जाता है, जिन्हें मुख्य सचिव या राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त सलाहकार सहायता करते हैं।
3. **विधान और वित्तीय अधिकार:**
    - **अनुच्छेद 357** के तहत, संसद को यह अधिकार है कि वह **विधान निर्माण की शक्ति राष्ट्रपति या किसी अन्य प्राधिकरण को सौंप** दे।
    - राष्ट्रपति को राज्य के **संकलित कोष (Consolidated Fund)** से व्यय को मंज़ूरी देने का अधिकार भी प्राप्त होता है।

राष्ट्रपति शासन के प्रयोग (Instances of Use):

1. **"डेड लेटर" की आशा पर विराम:**
    - डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने उम्मीद जताई थी कि यह प्रावधान केवल **अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में** ही उपयोग होगा और यह एक "**Dead Letter**" बना रहेगा।
    - परंतु 1950 से अब तक राष्ट्रपति शासन को **लगभग 134 बार** लागू किया जा चुका है, **29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों** में।
2. **पहली बार और बारंबार प्रयोग:**
    - राष्ट्रपति शासन **सबसे पहले 1951 में पंजाब** में लागू किया गया था।
    - यह एक ओर **संकट-प्रबंधन उपकरण** रहा है, वहीं दूसरी ओर यह कई बार **राजनीतिक उद्देश्य** से भी इस्तेमाल किया गया।
3. **राज्यों में सबसे अधिक प्रयोग:**
    - **मणिपुर और उत्तर प्रदेश** – दोनों में अब तक **10 बार राष्ट्रपति शासन** लागू हो चुका है। मणिपुर में हालिया घटना इसे **11वीं बार** बना देती है।
    - **जम्मू-कश्मीर** में **सबसे लंबी अवधि (12 वर्षों से अधिक)** तक राष्ट्रपति शासन लागू रहा है, इसके बाद **पंजाब (10+ वर्ष)** और **पुडुचेरी (7+ वर्ष)** का स्थान आता है।

अमेरिका ने भारतीय आयात पर 25% टैरिफ (शुल्क) लगाया / US imposes 25% tariff on Indian imports

संदर्भ:

अमेरिकी राष्ट्रपति ने घोषणा की है कि 1 अगस्त 2025 से भारत से होने वाले सभी आयातों पर **25% टैरिफ** लगाया जाएगा। इसके साथ ही रूस से तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद जारी रखने को लेकर भारत पर एक अनिर्दिष्ट दंड भी लगाया जाएगा।

टैरिफ (आयात/निर्यात कर) क्या होता है?

- **टैरिफ या आयात कर (Import Tax):** टैरिफ एक ऐसा **कर (Tax)** होता है जो किसी देश की सरकार, कस्टम क्षेत्र या किसी अंतरराष्ट्रीय संगठन द्वारा **देश में आने वाले सामान (आयात)** पर लगाया जाता है। **यह कर आयातक (Importer)** द्वारा अदा किया जाता है।
- **निर्यात कर (Export Tax) – विशेष स्थिति में:** कुछ विशेष मामलों में, **देश से बाहर जाने वाले सामान या कच्चे माल (निर्यात)** पर भी कर लगाया जा सकता है। **यह कर निर्यातक (Exporter)** द्वारा अदा किया जाता है।

अमेरिका ने भारतीय आयात पर 25% टैरिफ (शुल्क) लगाया है?

अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने के पीछे कई आर्थिक और भू-राजनीतिक कारण बताए जा रहे हैं। नीचे इनके प्रमुख बिंदुओं को समझाया गया है:

1. भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका का 25% टैरिफ: पृष्ठभूमि

- अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर **25% का आयात शुल्क** लगाने की घोषणा की है।
- यह निर्णय **भारत के व्यापारिक व्यवहार, रूस के साथ संबंधों, और BRICS की भूमिका** से जुड़ा हुआ बताया गया है।

2. भारत द्वारा अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च टैरिफ

- अमेरिका का आरोप है कि **भारत द्वारा अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ बहुत अधिक** हैं।
- **अमेरिकी राष्ट्रपति** ने इन टैरिफ को "दुनिया में सबसे ऊँचे" बताया है।
- अमेरिका को भारत के साथ **लगभग $40.8 अरब डॉलर का व्यापार घाटा** है।

3. भारत के गैर-राजकोषीय व्यापार अवरोध (Non-Monetary Trade Barriers)

- अमेरिका ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह केवल टैरिफ ही नहीं, बल्कि **कृषि सब्सिडी**, और **खाद्य सुरक्षा से जुड़े SPS मानकों** जैसे **गैर-टैरिफ अवरोध** भी बनाए रखता है।
- यह बाधाएँ अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए **भारतीय बाजार में प्रवेश कठिन बनाती हैं**।

4. रूस के साथ भारत के ऊर्जा और रक्षा संबंध

- भारत **रूस से सबसे अधिक ऊर्जा आयात** करने वाला देश बन गया है – यह **भारत के कुल तेल आयात का 35–40%** है।
- साथ ही, भारत के रूस के साथ **लंबे समय से चले आ रहे रक्षा समझौते** भी हैं।
- यह भी माना जा रहा है कि **अमेरिकी टैरिफ में दंडात्मक तत्व** इन्हीं रूस-भारत संबंधों से जुड़ा हुआ है, हालांकि इसका स्वरूप स्पष्ट नहीं किया गया है।

5. भारत की BRICS सदस्यता पर अमेरिकी नजर

- अमेरिका BRICS (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) को **"anti-dollar गठबंधन"** के रूप में देखता है।
- अमेरिका का मानना है कि यह समूह **डॉलर आधारित वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को चुनौती** दे रहा है, जिसमें भारत की भूमिका भी अहम है।

6. द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) में विफलता

- फरवरी 2025 से **भारत-अमेरिका के बीच एक 'मिनी डील'** पर बातचीत चल रही थी, ताकि **प्रतिशोधात्मक टैरिफ** से बचा जा सके।
- लेकिन यह समझौता **अगस्त 2025 की डेडलाइन से पहले नहीं हो पाया**, जिससे अमेरिका ने **25% टैरिफ लागू करने का निर्णय लिया**।
- यह क़दम **भारत पर दबाव बनाने की रणनीति (pressure tactic)** के रूप में भी देखा जा रहा है।

अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर 25% टैरिफ लगाने के मुख्य प्रभाव

- **आर्थिक असर:** $129 अरब के द्विपक्षीय व्यापार पर असर; FY25 में भारत का अमेरिकी निर्यात $86.5 अरब।
- **प्रभावित क्षेत्र:**
  - **फार्मास्युटिकल्स:** जेनेरिक दवाओं का बड़ा निर्यातक।
  - **ऑटो पार्ट्स:** $2.2 अरब के निर्यात पर अब पूर्ण टैरिफ।
  - **टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, सीफूड:** मूल्य प्रतिस्पर्धा घटेगी।
- **MSMEs पर दबाव:** श्रम-प्रधान क्षेत्रों (जैसे वस्त्र, चमड़ा, हस्तशिल्प) में छोटे निर्यातकों पर अधिक असर।
- **उद्योग जगत की चिंता:** FICCI ने निर्यात क्षेत्रों में तत्काल बाधा की चेतावनी दी।
- **भूराजनीतिक संकेत:** रूस से भारत के ऊर्जा और रक्षा संबंधों को लेकर दंडात्मक रवैया।
- **बाजार पर असर:** सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट; अमेरिका-निर्भर क्षेत्रों में अस्थिरता की आशंका।

भारतीय रिज़र्व बैंक डिजिटल भुगतान सूचकांक / RBI-DPI

संदर्भ:

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने सोमवार को डिजिटल भुगतान क्रांति में भारत की तेज़ प्रगति को दर्शाते हुए घोषणा की कि उसका डिजिटल पेमेंट्स इंडेक्स (RBI-DPI) मार्च 2025 में बढ़कर 493.22 हो गया है, जो सितंबर 2024 में 465.33 था।

भारतीय रिज़र्व बैंक डिजिटल भुगतान सूचकांक (RBI-DPI) की मुख्य बातें

1. निरंतर और स्थिर वृद्धि (Steady and Consistent Growth)

- मार्च 2018 में शुरुआत के बाद से यह सूचकांक लगातार **बिना किसी रुकावट के वृद्धि** दर्शा रहा है।
- यह भारत में **डिजिटल भुगतान प्रणाली की मजबूती** का प्रमाण है।

2. भुगतान अवसंरचना में उल्लेखनीय सुधार (Strong Performance in Payment Infrastructure)

- सूचकांक में वृद्धि से यह संकेत मिलता है कि देशभर में – विशेष रूप से अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में – भुगतान अवसंरचना, अपनापन (adoption) और उपयोगकर्ता भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

3. शहरी क्षेत्रों से आगे का विस्तार (Expansion Beyond Urban Areas)

- विशेषज्ञ इस वृद्धि का श्रेय Payments Infrastructure Development Fund (PIDF) और RBI–फिनटेक सहयोग को देते हैं।
- इन प्रयासों से डिजिटल सेवाओं का विस्तार छोटे शहरों और गांवों तक हुआ है।

RBI डिजिटल भुगतान सूचकांक क्या है? (What is the RBI-DPI?)

- **भारतीय रिज़र्व बैंक डिजिटल भुगतान सूचकांक (RBI-DPI)** एक **अर्ध-वार्षिक (semi-annual)** सूचकांक है, जो देश में **भुगतान प्रणालियों के डिजिटलीकरण** की प्रगति को मापता है।

प्रारंभ: मार्च 2018 में RBI द्वारा लॉन्च किया गया।

सूचकांक के प्रमुख मापदंड (Parameters of the Index):

इस सूचकांक में कुल **5 मापदंड** शामिल हैं:

1. Payment Enablers (भुगतान सक्षमकर्ता)
2. Payment Infrastructure – Demand Side (मांग पक्ष की संरचना)
3. Payment Infrastructure – Supply Side (आपूर्ति पक्ष की संरचना)
4. Payment Performance (प्रदर्शन)
5. Consumer Centricity and Fraud Prevention (उपभोक्ता केंद्रितता और धोखाधड़ी की रोकथाम)

बेस ईयर: मार्च 2018 को आधार वर्ष (Base Year) माना गया है, और उस समय की सूचकांक की **मूल्य 100** निर्धारित की गई थी।

डिजिटल भुगतान सूचकांक (Digital Payments Index) में वृद्धि का प्रभाव

1. वित्तीय समावेशन में तेजी (Accelerated Financial Inclusion)

- डिजिटल भुगतान में वृद्धि से यह संकेत मिलता है कि **वित्तीय सेवाएं अब देश के दूर-दराज़ और वंचित वर्गों** तक पहुँच रही हैं।
- विशेष रूप से **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs)** तथा **ग्रामीण समुदायों** को इससे बड़ा लाभ हो रहा है।

2. डिजिटल क्रेडिट मॉडल को समर्थन (Support for Digital Credit Models)

- **MSMEs के लिए नया डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट मॉडल** जैसे प्रयास दर्शाते हैं कि भारत अब **रीयल-टाइम और डेटा आधारित ऋण मूल्यांकन** की दिशा में बढ़ रहा है।
- इससे ऋण वितरण प्रक्रिया **तेज़, पारदर्शी और अधिक न्यायसंगत** हो रही है।

3. डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती

- यह वृद्धि भारत के **मजबूत और विकसित हो रहे डिजिटल भुगतान तंत्र** को दर्शाती है।
- इसमें **नीतिगत समर्थन, फिनटेक नवाचार और उपभोक्ताओं के बढ़ते विश्वास** की महत्वपूर्ण भूमिका है।

आगे की योजना: RBI द्वारा **डिजिटल भुगतान सूचकांक का अगला अपडेट सितंबर 2025 तक के आंकड़ों** को कवर करेगा।

- यह अपडेट भारत की **डिजिटल परिवर्तन यात्रा (digital transformation journey)** की प्रगति को ट्रैक करता रहेगा।

द रेजिस्टेंस फ्रंट / TRF

संदर्भ:

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति की हालिया रिपोर्ट में द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) को शामिल किया जाना भारत के लिए सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ उसकी वैश्विक मुहिम में एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक सफलता माना जा रहा है।

द रेजिस्टेंस फ्रंट (The Resistance Front - TRF)

- **TRF का उद्भव 2019 में हुआ**, जब जम्मू-कश्मीर से **अनुच्छेद 370 हटाया गया।**
- TRF को एक आतंकवादी संगठन माना जाता है और यह घाटी में हिंसक गतिविधियों में सक्रिय रहा है।
- एक रिपोर्ट में **TRF को अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का जिम्मेदार** ठहराया गया है।

1267 प्रतिबंध समिति (1267 Sanctions Committee)

- इस समिति को **ISIS और अल-कायदा प्रतिबंध समिति** भी कहा जाता है।
- यह **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC)** के एक प्रस्ताव के तहत **1999 में स्थापित** की गई थी।
- इसका उद्देश्य **ISIS, अल-कायदा और उनसे जुड़े संगठनों से संबंधित आतंकवाद पर लगाम** लगाना है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- **सभी 15 सुरक्षा परिषद सदस्य** इस समिति का हिस्सा होते हैं।
- निर्णय **सर्वसम्मति (consensus)** से लिए जाते हैं।
- किसी भी सदस्य देश को किसी **व्यक्ति, समूह या संस्था को सूचीबद्ध (list) करने के लिए प्रस्ताव** प्रस्तुत करने का अधिकार होता है।

प्रमुख प्रतिबंध (Sanctions Measures):

1. **संपत्ति जब्ती (Asset Freeze):** सूचीबद्ध व्यक्ति या संस्था की **संपत्ति को पूरी तरह से फ्रीज** कर दिया जाता है।
2. **यात्रा प्रतिबंध (Travel Ban):**
   - संबंधित व्यक्ति को **किसी भी सदस्य राष्ट्र में प्रवेश या पारगमन** की अनुमति नहीं होती।
3. **हथियार आपूर्ति प्रतिबंध (Arms Embargo):**
   - ऐसे व्यक्तियों या संगठनों को **हथियार या संबंधित सामग्री की आपूर्ति** पर पूरी तरह प्रतिबंध होता है।

स्किल इम्पैक्ट बॉन्ड / SIB

संदर्भ:

भारत का स्किल इम्पैक्ट बॉन्ड (SIB), जो 2021 में लॉन्च किया गया था, देश का पहला ऐसा डेवलपमेंट इम्पैक्ट बॉन्ड है जो विशेष रूप से रोजगार पर केंद्रित है।

परिचय (About):

- यह पहल **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय** द्वारा **नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (NSDC)** के माध्यम से समर्थित है।
- यह **सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों** को एक साथ लाकर **युवाओं को नौकरी-उपयुक्त कौशल और रोजगार** उपलब्ध कराने का कार्य करती है।

उद्देश्य: इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि **कमजोर सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि** से आने वाले **50,000 युवाओं** को **नौकरी के लिए तैयार कौशल और रोजगार** प्रदान किया जाए।

पात्रता (Eligibility)

- उम्मीदवार की आयु **18 से 40 वर्ष** के बीच होनी चाहिए।
- उम्मीदवार **बेरोजगार हो** या उसकी आय **15,000 रुपये प्रति माह से कम** हो। या फिर परिवार की कुल मासिक आय **25,000 रुपये से कम** हो।
- शैक्षणिक योग्यता **स्नातक या उससे कम** स्तर की होनी चाहिए।

महिला भागीदारी: कार्यक्रम का लक्ष्य है कि **62% प्रतिभागी महिलाएं हों**, जिससे **रोजगार में लैंगिक असमानता** को दूर किया जा सके।

परिणाम आधारित वित्त पोषण:

- यह पहल पारंपरिक **इनपुट आधारित फंडिंग** की बजाय **परिणाम आधारित फंडिंग मॉडल (Social Impact Bond – SIB)** पर आधारित है।
- सफलता का माप **नामांकन की संख्या** नहीं बल्कि **प्रमाणीकरण (certification)**, **नौकरी में नियुक्ति**, और **तीन महीने तक नौकरी में टिके रहना** जैसे ठोस परिणामों पर आधारित होता है।

आपूर्ति और उपयोग तालिकाएँ / SUTs

संदर्भ:

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने 'सप्लाई एंड यूज़ टेबल्स 2020-21 और 2021-22' जारी की हैं। यह टेबल्स अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति तथा उनके उपयोग का विस्तृत चित्र प्रस्तुत करती हैं।

Supply and Use Tables (SUTs) क्या हैं?

- **Supply and Use Tables (SUTs)** राष्ट्रीय लेखा (National Accounting) का एक मूलभूत उपकरण हैं।
- यह **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** की माप को **तीन मुख्य दृष्टिकोणों—उत्पादन (Production)**, **आय (Income)** और **व्यय (Expenditure)**—के माध्यम से **एकीकृत और विस्तृत सांख्यिकीय ढांचे** में प्रस्तुत करता है।

SUT की संरचना

- SUT दो आपस में जुड़ी **मेट्रिक्स (तालिकाएं)** के रूप में तैयार किया जाता है:
  1. **Supply Table (आपूर्ति तालिका)**
  2. **Use Table (उपयोग तालिका)**
- यह तालिकाएं **उत्पाद-बनाम-उद्योग (Product-by-Industry)** मैट्रिक्स के रूप में संरचित होती हैं।

आपूर्ति तालिका:

- यह तालिका **कुल वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति** को दर्शाती है।
- इसमें दो स्रोत शामिल होते हैं:
  - **घरेलू उत्पादन** (उद्योगों द्वारा निर्मित वस्तुएं/सेवाएं)
  - **आयातित वस्तुएं और सेवाएं**

उपयोग तालिका: यह तालिका बताती है कि इन उत्पादों और सेवाओं का **कहाँ और कैसे उपयोग** किया गया:

- **मध्यवर्ती उपभोग** (Industries द्वारा)
- **अंतिम उपभोग** (Final consumption)
- **सकल पूंजी निर्माण** (Gross Capital Formation)
- **निर्यात (Exports)**

ऑपरेशन शिवशक्ति / Operation Shivshakti

संदर्भ:

हाल ही में भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ ज़िले में ऑपरेशन शिवशक्ति को अंजाम दिया, जिसमें नियंत्रण रेखा (LoC) के पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो संदिग्ध लश्कर-ए-तैयबा आतंकियों को मार गिराया गया।

ऑपरेशन शिवशक्ति: ऑपरेशन महादेव के बाद अगला बड़ा कदम: **ऑपरेशन शिवशक्ति**, **ऑपरेशन महादेव** के बाद भारतीय सुरक्षा बलों की अगली बड़ी कार्रवाई है, जिसमें **पहलगाम हमले** में शामिल **तीन आतंकवादियों को ढेर** कर दिया गया।

ऑपरेशन महादेव: समन्वित आतंकवाद विरोधी कार्रवाई

- यह ऑपरेशन **भारतीय सेना** और **जम्मू-कश्मीर पुलिस (JKP)** के संयुक्त प्रयास से अंजाम दिया गया।
- उद्देश्य: पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड और उसके साथियों को खत्म करना।

ऑपरेशन की प्रमुख जानकारी

- **स्थान:** मालदीवालन क्षेत्र, डिगवार सेक्टर, **नियंत्रण रेखा (LoC)** के पास, **पुंछ** जिले में।
- यह कार्रवाई **सेना की खुफिया इकाइयों** और **JKP से मिली समन्वित जानकारी** के आधार पर की गई।

भाग लेने वाली सुरक्षा बल इकाइयाँ

- **भारतीय सेना के "White Knight Corps"** के जवानों ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।
- ऑपरेशन में **उच्च स्तरीय समन्वय**, **तेजी से कार्रवाई** और **खुफिया जानकारी का कुशल उपयोग** देखने को मिला।

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- इतिहास
- अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था

1500x4

~~₹6000/-~~

₹4500/-

- रोज़ाना लाइव क्लासेस
- साप्ताहिक टेस्ट
- क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
- लाइव डाउट सेशन
- रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न

COURSE VALIDITY 1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
₹4000/-
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
Baaten Bazar Ki
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
FUN
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE
+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)
FREE
EMI AVAILABLE
BBK
Long-Term Investing Foundations
Principles of Value Investing and Stock
Portfolio Construction Mastery
Sectoral Investing
Stock Picking Framework
Active Portfolio Management Techniques
Mega Cap vs Mid Cap Strategy
SPECIAL BONUS
COURSE VALIDITY
1 YEAR